

Inhalt:

| | Seite | | Seite |
|--|-------|--|-------|
| Vorwort | 3 | Das Erdbeerenglein | 73 |
| Kotfehchen | 5 | Johanneswürmchen | 75 |
| Das Vergißmelnicht | 7 | Das vorlaute Bäcklein | 77 |
| Das reiselustige Weichchen | 9 | Was die Schwälöchen sagen | 79 |
| Der Schwarzspecht | 11 | Der Kuckuck | 82 |
| Das kluge Häschchen | 14 | Tannen und Birken | 84 |
| Die Englein in der Hütte zu Nazareth | 16 | Etwas von der Gesangstunde der Vöglein | 86 |
| Das eitle Köschchen | 18 | Kräutlein Nimmerweh | 88 |
| Schneeglöckchen | 20 | Sterne und Afern 1. | 90 |
| Träume aus dem Paradies | 22 | Sterne und Afern 2. | 92 |
| Wie die Kinder einen Schutzengel bekamen | 25 | Wie die Rosen Dornen erhielten | 94 |
| Eisblumen | 27 | Faulpelz Kuckuck | 96 |
| Das Dreifaltigkeitsblümchen | 30 | Wie die Rose entstanden ist | 98 |
| Die beiden Spätzlein | 32 | Moosröslein | 100 |
| Der heilige Franziskus und die Vöglein | 35 | Die stolze Tulpe | 102 |
| Das Mariengläschchen | 37 | Die blane Rose | 104 |
| Das unzufriedene Entlein | 39 | Das zänkliche Gänßchen | 107 |
| Der Dattelbaum | 43 | Die Kettenblume | 109 |
| Warum die Bären keine Hosen tragen | 45 | Die Gamille | 111 |
| Marienblümchen | 48 | Waldböglein erzählt! | 113 |
| Die dankbaren Vöglein | 50 | Epheu | 115 |
| Das Weichchenborle | 52 | Die Forellen | 117 |
| Die Passionsblume | 55 | Der Froschgesangverein | 120 |
| Die Bitterpappel | 57 | Herr Langohr | 122 |
| St. Nikolaus | 59 | Der gefällige Schmetterling | 124 |
| Die Johannisbeere | 61 | Blümlein am Wege | 127 |
| Der rote Himmel | 63 | Die Waldbrossel | 129 |
| Die Blumen des Paradieses | 65 | Das dankbare Reh | 131 |
| Gänßchen | 67 | Marienböglein | 135 |
| Gelweiß und Alpenrosen | 69 | Glöhwürmchen | 138 |
| Die übermüthigen Finken | 71 | Moosröschen | 140 |
| | | Das Weichchen | 142 |